ग्रामाभ्युदयादेव देशाभ्युदयः
गोविन्द बल्लभ पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
कृषि मौसम विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय
पन्तनगर–263145 उधम सिंह नगर (उत्तराखण्ड)
फोन नम्बरः 05944–233032

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा बुलेटिन, जनपद – नैनीताल

उपमहानिदेशक (कृषि मौसम विज्ञान), भारत मौसम विज्ञान विभाग, पुणे **निदेशक, मौसम केन्द्र, देहरादून**

वर्षः 28 अंकः 19 बुलेटिन अवधिः : 06–10 मार्च, 2019 दिनः मंगलवार दिनाँकः 05 मार्च, 2019

मौसम पूर्वानुमानः

भारत सरकार के **पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय** द्वारा वित्त पोषित एवं **भारत मौसम विज्ञान विभाग** द्वारा संचालित ग्रामीण कृषि मौसम सेवा परियोजना के अन्तर्गत **राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र, भारत मौसम विज्ञान विभाग, मौसम भवन, नई दिल्ली** द्वारा पूर्वानुमानित तथा **मौसम केन्द्र, देहरादून** द्वारा संसोधित पूर्वानुमानित मध्यम अवधि मौसम आँकड़ों के आधार पर कृषि मौसम विज्ञान विभाग में स्थित कृषि मौसम विज्ञान प्रक्षेत्र इकाई (AMFU), गो0 ब0 पन्त कृषि एवं प्रौद्यो0 विश्वविद्यालय, पन्तनगर द्वारा **नैनीताल जिले के पर्वतीय क्षेत्रों में अगले पाँच दिनों** में निम्न मौसम रहने की संभावना व्यक्त की जाती है :–

पूर्वानुमानित मौसम तत्व	मौसम पूर्वानुमान – नैनीताल				
	06/03/2019	07/03/2019	08/03/2019	09/03/2019	10/03/2019
वर्षा (मिमी0)	2	0	0	3	0
अधिकतम तापमान (डिग्री से.ग्रे.)	14	15	16	16	17
न्यूनतम तापमान (डिग्री से.ग्रे.)	4	5	6	7	8
बादल आच्छादन	आंशिक बादल	साफ	आंशिक बादल	मध्यम बादल	आंशिक बादल
अधिकतम सापेक्षित आर्द्रता (प्रतिशत)	80	80	80	80	80
न्यूनतम सापेक्षित आर्द्रता (प्रतिशत)	40	40	40	40	40
वायु की औसत गति (कि0मी0 प्रतिघंटा)	006	006	006	004	004
वायु की दिशा	उत्तर–पश्चिम	उत्तर–पश्चिम	उत्तर–पश्चिम	उत्तर–पश्चिम	उत्तर–पूर्व

आगामी 6 व 9 मार्च को कही–कही बूंदा–बांदी होने की सम्भावना है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग के नैनीताल स्थित मौसम विज्ञान वेधशाला (समुद्रतल से ऊँचाई–2084 मीटर) के प्रेक्षणानुसार विगत सात दिनों (26 फरवरी–04 मार्च 2019) में आसमान साफ रहने के मध्यम से घने बादल छाये रहे तथा अधिकतम तापमान 6.7 से 14.8 डि0से0 एवं न्यूनतम तापमान 1.9 से 5.3 डि0से0 के बीच रहा। ऐसे अनुमानित मौसम में गो0ब0 पन्त कृषि एवं प्रौद्यो0 विश्वविद्यालय, पन्तनगर के वैज्ञानिकों द्वारा इस क्षेत्र के कृषक भाइयों को सलाह दी जाती है कि इस मौसम में विभिन्न फसलों के लिए खेतों में निम्नानुसार कार्यक्रम अपनायें।

कृषि मौसम परामर्श

फसल	अवस्था	कृषि मौसम सलाह समिति द्वारा किसानो हेतु कृषि सलाह
गेहूं, जौ	अगेती–बालिया पछेती–कल्ले की अवस्था	आगामी दिनो मे वर्षा को ध्यान मे रखते हुए किसान भईयो को सलाह दी जाती है कि आगामी कुछ दिनो तक फसलो मे सिंचाई न करें।
गन्ना	अगेती–कटाई बसंतकालीन–बुवाई	गन्ना की अगेती फसल की कटाई करें। नई फसल की बुवाई मौसम को ध्यान मे रखकर करें। बसंतकालीन गन्ना की बुवाई 15 मार्च तक पूरा कर लेनी चाहिए। गन्ना बीज हेतु गन्ना के उपरी दो तिहाई भाग का प्रयोग करेंगें। प्रति हैक्टर 3 आँखें वाले 40–50 हजार टुकड़े प्रयोग करें। लाईन पूरब–पश्चिम दिशा में 75 से0मी0 की दूरी पर बनाए।
प्याज	निराई–गुडाई	प्याज की फसल मे निराई–गुडाई करे।
शिमला मिर्च, टमाटर	बुवाई	शिमला मिर्च, टमाटर मे नर्सरी मे बीज की बुवाई करें।
बैंगन	फूल की अवस्था	बैगन की फसल मे निराई–गुडाई करे।
सेब, नाशपाती	प्रारम्भिक अवस्था	अधिक फल उत्पादन हेतू मधुमक्खियों के बक्सें अपने खेतो मे रखे।
खुबानी, आड़ू, प्लम	फूल की अवस्था	नत्रजन की शेष मात्रा का थालो मे प्रयोग करें।
पशुपालन	–	जानवरों में प्रसव दर को ध्यान में रखते हुए पशुशाला को अच्छी तरह साफ–सुथरा, सूखा, रोशनीदार, हवादार होना चाहिए। इसके लिए नालियों में तथा आस–पास सूखे चूने का छिड़काव करें तथा जानवर के नीचे सूखा चारा बिछा दें। प्रसव के उपरांत स्वच्छता का पूरा ध्यान रखें। ठंड का समय आ गया है अतः ठंड से बचाव हेतु पशुपालक इसकी ओर ध्यान दें।

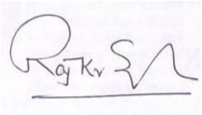

डा0 आर0 के0 सिंह
प्राध्यापक एवं प्रिंसिपल नोडल अधिकारी
ग्रामीण कृषि मौसम सेवा,
गो.ब. पन्त कृषि एवं प्रौद्यो. विश्वविद्यालय, पन्तनगर